पाठ 6
हरियाली और हम

यह माला का गाँव है। चारों तरफ हरियाली ही हरियाली है। माला के अपना गाँव बहुत अच्छा लगता है। माला के गाँव में बहुत सारे बाग–बगीचे और पेड़–पौधे हैं।

1. आपने जिन–जिन पेड़–पौधों को देखा या सुना है, उनके नाम लिखिए।

_____

_____

2. इनमें से उन पेड़–पौधों के नाम छाँटिए जो आपके घर या आरा–पारा उगते हैं तथा वे जो जंगल में उगते हैं।

(i) घर या आरा–पारा उगनेवाले _____

_____

(ii) जंगल में उगनेवाले _____

_____

3. पेड़–पौधे चाहे घर के आरा–पारा हों या जंगल में, हमारे लिए बहुत उपयोगी होते हैं। आपके अनुसार पेड़–पौधों की हमारे लिए क्या उपयोगिता होती है?

_____

_____

© RSTBPO WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

4. पेड़–पौधों की उपयोगिता के अनुसार नीचे बनी सारणी भरिए।

क्र.सं.	उपयोग	पेड़–पौधों के नाम
1.	इमारती लकड़ी	
2.	साग–सब्ज़ी	
3.	अनाज व दाल	
4.	तेल	
5.	औषधि	
6.	फल	
7.	फूल	

5. हमने पढ़ा कि पेड़–पौधे हमारे लिए बहुत उपयोगी हैं। इनसे हमें अनेक दैनिक जरूरत की चीज़ें प्राप्त होती हैं। अब जरा सोचिए और बताइए–

(i) अगर पेड़–पौधे नहीं होते तो क्या–क्या होता?

(ii) क्या पेड़–पौधों के बिना हम रह सकते हैं?

(iii) क्या पेड़–पौधे हमारे बिना रह सकते हैं? यदि हाँ तो कैसे?

6. अपने घर या विद्यालय के आस–पास मिलनेवाले किसी एक पेड़ के बारे में पाँच वाक्य लिखिये उस पेड़ का चित्र बनाकर उसके विभिन्न हिस्सों के नाम दर्शाइए।

© BSTBPC WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

7. किन्हीं तीन पेड़–पौधों के नाम बताइए–

(i) जिनमें काँटे होते हैं _____ _____ _____

(ii) जो खूब छाया देते हैं _____ _____ _____

8. नीचे बने चित्रों में क्या हो रहा है?

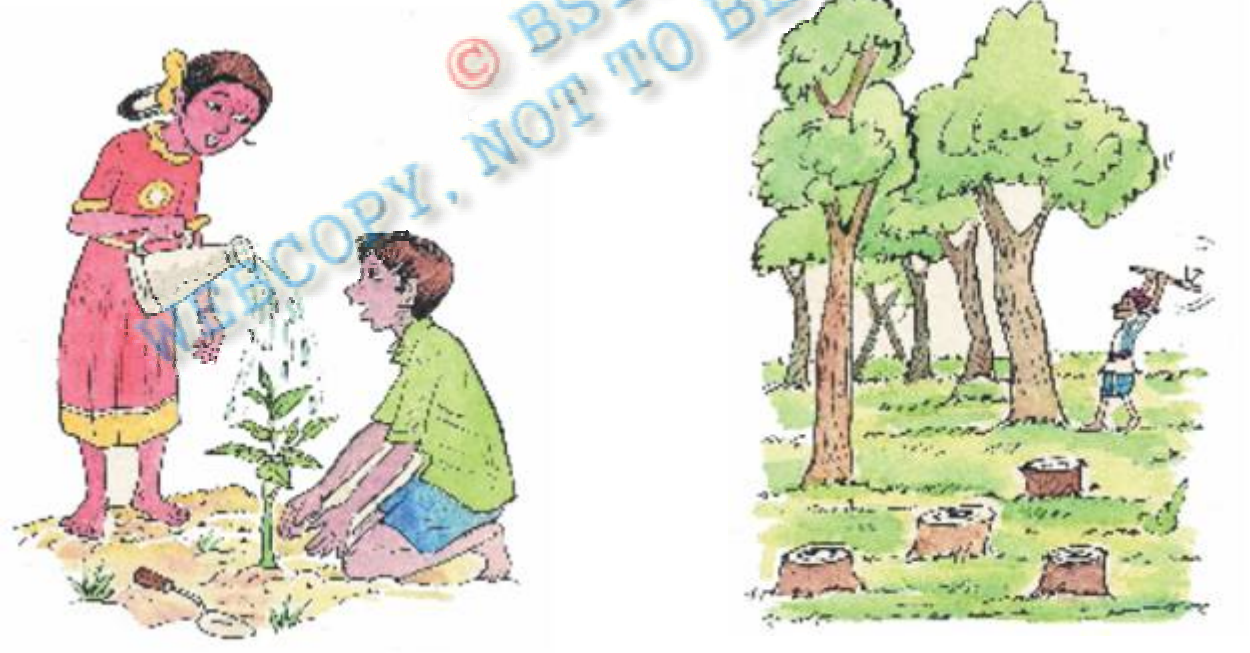

© BSTBPC WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

9. ज़रूरत से ज़्यादा पेड़ काटने से क्या–क्या हानियाँ होती हैं?

_____

_____

_____

_____

_____

_____

पेड़ों से दोस्ती

बात करीब तीन सौ साल पुरानी है। राजस्थान के खेजड़ली गाँव की एक लड़की थी, अमृता। उसके गाँव में खेजड़ी के बहुत पेड़ थे, जिसकी छाया में अमृता अपने साथियों के साथ खेलती थी। खेजड़ी की फलियों की सब्जी बनती है तथा इसकी छाल दवा के काम आती है।

समय बीतता गया, अमृता बड़ी हो गयी। एक दिन वह अपने पेड़ों के बीच खेल रही थी। तभी उसने देखा कि कुछ अनजान लोग कुल्हाड़ी लेकर चले आ रहे हैं। पता चला कि राजा का महल बन रहा है जिसके लिए लकड़ियों की जरूरत है। वे लोग राजा के आदमी हैं तथा लकड़ियाँ लेने आए हैं। उनलोगों ने लकड़ियाँ काटने का प्रयास किया तो अमृता ने इसका विरोध किया। वह पेड़ से लिपट गई। राजा के आदमियों ने क्रोधित होकर कुल्हाड़ी से अमृता पर वार कर दिया। अमृता के पैर कट गए लेकिन वह पेड़ को अपने हाथों से जकड़ी रही। पेड़ को बचाने के लिए अमृता द्वारा किये गए साहस पूर्ण प्रतिरोध ने गाँव वालों को झकझोर कर रख दिया। देखते–ही–देखते गाँव वाले पेड़ों को कटने से बचाने के लिए एकजुट हो गये। सभी लोग पेड़ों से लिपट गये। राजा के आदमियों ने आवेश में आकर पेड़ से लिपटे हुए गाँव वालों पर अंधाधुंध वार करना शुरू कर दिया। लगभग तीन सौ गाँव वाले मारे गए। पेड़ों के प्रति लोगों का प्यार और बलिदान को देख कर राजा पर गहरा असर हुआ। उसने आदेश दिया कि इस इलाके में कभी कोई पेड़ नहीं काटेगा और न ही कोई शिकार करेगा। यहाँ के लोग आज भी पेड़ों और जानवरों की रक्षा करते हैं। रेगिस्तान में होते हुए भी यह इलाका हरा–भरा है।

© BSTBPC NOT TO BE PUBLISHED WEB COPY